केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 90 गुरूवार 22 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कांग्रेस की धमकी के बाद निर्वाचन आयोग ने दिया जांच का आदेश

लखनऊ (आभा)। कांग्रेस ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में 16,554 मतदाताओं से संबंधित कथित गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए निर्वाचन आयोग की भूमिका पर सवाल उठाए और कहा कि पार्टी इस मामले में अदालत का रुख करेगी। कांग्रेस की धमकी के कुछ घंटे बाद ही निर्वाचन आयोग ऐक्शन में आ गया। आयोग की तरफ से कहा गया कि पीलीभीत में मतदाता सूची में गड़बड़ी के सपा व कांग्रेस की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच कराई जाएगी। पीलीभीत के जिला निर्वाचन अधिकारी को इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिए गए। आदेश में कहा गया है कि दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश इकाई की अध्यक्ष आराधना मिश्रा, कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत और पार्टी के प्रदेश इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद इमरान मसूद ने प्रदेश मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद कथित बदलावों पर चिंता जताई।

गौतम ने दावा किया कि पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र में 13,150 मतदाताओं के निर्वाचन फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर और क्रम संख्या समान रखते हुए उनके नाम बदल दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके अलावा 884 ऐसे मतदाताओं के नाम हटा दिए गए, जिनके वहां रहने का दावा है जबकि 2,600 ऐसे मतदाताओं के नाम जोड़े गए, जो कथित तौर पर संबंधित क्षेत्र में रहते ही नहीं हैं।

सुप्रिया श्रीनेत ने दावा किया कि 10 अप्रैल 2026 को एसआईआर की अंतिम मसौदा सूची जारी होने के बाद भी मतदाताओं के विवरण में बदलाव किए गए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि एक सूची में ईपीआईसी नंबर 4जी–एमसीएम–4746 पर 35 वर्षीय मोहम्मद यूसुफ का नाम दर्ज था, जबकि बाद में उसी नंबर पर 35 वर्षीय हसरत का नाम दर्ज पाया गया।

प्रतिमा विसर्जन के बाद युवक की डूबने से मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मनोरमा नदी के अजगरा स्थित बरुआ बाबा घाट पर मंगलवार देर शाम दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के बाद स्नान करते समय 22 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। स्थानीय गोताखोरों और पुलिस की मदद से उसे नदी से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कलवारी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सरवनपुर पाण्डेय गांव के तिनपेड़िया निवासी सुड्डू चौधरी मंगलवार रात करीब आठ बजे प्रतिमा विसर्जन के बाद संजय चौधरी और अखिलेश चौधरी के साथ नदी में स्नान कर रहा था। इसी दौरान वह तेज बहाव में बह गया। उसके लापता होने पर तलाश शुरू की गई। काफी प्रयास के बाद उसे नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

मण्डलीय समीक्षा बैठक 28 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में विकास कार्यो की मासिक मण्डलीय समीक्षा बैठक 28 अक्टूबर को अपरान्ह 12.00 बजे से आयुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित किया जायेंगा।

उक्त जानकारी संयुक्त विकास आयुक्त निर्मल कुमार द्विवेदी ने दी है।

मुख्यमंत्री योगी ने किया पुलिस कर्मियों के मोबाइल, वर्दी और मोटर साइकिल भत्ता बढ़ाने की घोषणा

लखनऊ (आभा) । पुलिस स्मृति दिवस पर लखनऊ पुलिस लाइन पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस कर्मियों को लेकर तीन बड़ी घोषणाएं की। सीएम योगी ने पीपीएस अफसरों की वर्दी, मोटरसाइकिल, मोबाइल सिम भत्ता बढ़ाने का ऐलान किया। सीएम योगी ने पीपीएस अफसरों की वर्दी भत्ता बढ़ाया है। पीपीएस अफसरों को अब 6400 की जगह 15 हजार रुपये वर्दी भत्ता दिया जाएगा। इसके अलावा सीएम योगी ने फील्ड में रहने वाले उपनिरीक्षक और निरीक्षक के लिए मोटरसाइकिल भत्ता भी बढ़ा दिया है। इन्हें अब 1000 मोटरसाइकिल का भत्ता दिया जाएगा।

सीएम योगी ने मुख्य आरक्षी और सिपाही को मोबाइल सिम का भत्ता दो हजार से बढ़ाकर ढाई हजार रुपये कर दिया गया है। सीएम योगी ने की इन तीन घोषणों से पुलिसकर्मियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। पुलिस भर्ती को लेकर सीएम योगी ने कहा, पहले पुलिस के हजारों पद खाली पड़े थे। हमने पुलिस कर्मियों को बेहतर संसाधन दिए। हमने प्रशिक्षण क्षमता बढ़ाई। बिना भेदभाव के 2 लाख से अधिक भर्तियां की हैं। अब यूपी पुलिस में 45 हजार महिला पुलिसकर्मी है, जो पहले 10 हजार थी।

सीएम योगी ने 2017 से पहले की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया। विपक्ष पर हमलावर हुए सीएम योगी ने कहा, 'नए उत्तर प्रदेशश में कानून से ऊपर कोई नहीं है। 2017 से पहले यूपी में माफिया राज था। पुलिस को अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने की मिली स्वतंत्रता के कारण प्रदेश श्उपद्रव से उत्सव का प्रदेशश बन पाया है। सीएम योगी ने कहा, आज अपराधियों को पता है कि यूपी में उसका आखिरी ठिकाना कहां है। सीएम योगी ने कहा, एक समय वह भी था, जब अपराधी को छूते ही सत्ता के फोन आने लगते थे। अपराधी पुलिस की खुली जीप में बैठकर ऑटोमैटिक राइफल लहराते थे। जो पुलिस मुठभेड़ पर सवाल खड़ा करते है, ये वही लोग है जो माफिया की मौत पर मातम मनाते है।

सीएम योगी ने कहा कि पहले थानों की कुर्सी पर इंस्पेक्टर बैठता था पर फैसला कहीं और से आता है। सीएम योगी ने इस दौरान मथुरा के जौहार बाग कांड का भी जिक्र किया।

कहा कि 2017 में जब भाजपा सरकार आई तो पुलिस से एक ही बात कही थी कि अपराधियों के प्रति जीरो टालरेंस की नीति होंगी। यूपी अब उपद्रव प्रदेश से उत्सव प्रदेश बन चुका है। अपराधियों पर कार्रवाई को लेकर सीएम योगी बोले–एटीएस ने घुसपैठियों की कमर थोड़ी है। पूर्ववर्ती सरकार ने पीएसी की कंपनिया खत्म करने का पाप किया। उनका चरित्र देखिये कैसे भी सत्ता पानी है। उन्होंने कहा, अंग्रेजों का पुलिस एक्ट दमन के लिए बनाया गया था। आज दमन कारी कानूनों को समाप्त किया गया है।

महिला के पेट से निकाला 6 किलो का ट्यूमर: डा. राजेश पटेल ने किया सफल ऑपरेशन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ओपेक चिकित्सालय कैली जखनी रोड स्थित क्योर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में सर्जन डा. राजेश पटेल के नेतृत्व में महिला के पेट से लगभग 6 किलोग्राम का ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाला गया। पटेलचौक खोराखार निवासी गौरीशंकर की पत्नी किरन को गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया, अब वह पूरी तरह सुरक्षित है।

ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों की टीम ने अपनी विशेषज्ञता और सूझबूझ का परिचय दिया। इस जटिल सर्जरी में सर्जन डा. राजेश पटेल के साथ एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. संदीप सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. चौधरी संजय का भी सहयोग रहा। ऑपरेशन को सफल बनाने में सहयोगी स्टाफ नंदलाल चौधरी, ओम प्रकाश यादव, पंकज चौधरी और मीना ने भी योगदान दिया। अस्पताल प्रबंधन की ओर से मरीज के उपचार में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

महादेवा विधानसभा में वोट चोरी के विरोध में कांग्रेसियों ने किया पुतला दहन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को महादेवा विधानसभा क्षेत्र के कुदरहा, बहादुरपुर और बनकटी ब्लॉक में कथित वोट चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी एवं महादेवा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी बृजेश कुमार आर्य के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मतदान के अधिकार की रक्षा और कथित वोट चोरी के मुद्दे को लेकर अपनी आवाज बुलंद की।

प्रदर्शन के दौरान पूर्व महादेवा विधानसभा प्रत्याशी बृजेश कुमार आर्य ने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की बुनियाद है और इस अधिकार को किसी से छीनने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व के आह्वान पर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा। प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कथित वोट चोरी के आरोपों को लेकर नाराजगी जताई और लोकतांत्रिक व्यवस्था में निष्पक्ष मतदान के महत्व पर जोर दिया। इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग को लेकर अपना पक्ष रखा।

विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से वाहिद सिद्दीकी, संदीप श्रीवास्तव, राहुल चौधरी, अलीम अख्तर, अनिल कुमार भारती, सर्वेश शुक्ला, आनंद निषाद, अमर बहादुर शुक्ला (तप्पे बाबा), पप्पू चौधरी, रमेश चौधरी, अंशक बल्लभ चतुर्वेदी, मुकेश कुमार संजय, संजय चौधरी, रामप्रीत दुसाध, राहुल मद्धेशिया, दिलीप गौतम, त्रिभुवन चौधरी, माजिद सिद्दीकी, मनीष दुबे, अल्ताफ सिद्दीकी, मुस्तफा शेख, चंद्र देव पांडे, राम अजोर चौधरी, आमिर सिद्दीकी, संतलाल प्रजापति, मोनू, हारून शेख और अजीत निगम सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लघु सिंचाई विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में धरना

–दोषियों पर कार्रवाई न हुई तो तेज होगा आन्दोलन–ठाकुर प्रेम नंदवंशी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के मण्डल महासचिव एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने लघु सिंचाई विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार सहित विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन धरने शुरू किया कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक धरना जारी रहेगा। धरने के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मामले में आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की।

ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने कहा कि मामला लघु सिंचाई विभाग में तैनात अवर अभियंता परविंद सिंह के स्थानांतरण से जुड़ा है। शासनादेश संख्या 855/ल0नि0/स्था0–3(126)/2026–27 के तहत 30 मई 2026 को परविंद सिंह का जनपद बस्ती से जनपद सिद्धार्थनगर के आकांक्षी क्षेत्र में स्थानांतरण किए जाने का आदेश जारी हुआ था। स्थानान्तरण आदेश के बावजूद संबंधित अधिकारी का स्थानांतरण नहीं किया गया।

ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने लघु सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियन्ता हरिओम सिंह और सहायक अभियंता इंजीनियर गरिमा द्विवेदी पर शासनादेश के अनुपालन में बाधा डालने तथा मामले में कथित अनियमितताओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के स्थानान्तरण और निलंबन की मांग की है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के मण्डल महासचिव ठाकुर प्रेम नंदवंशी का आरोप है कि सरकारी धन के कथित दुरुपयोग और अनियमितताओं से संबंधित मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने पूरे प्रकरण की जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है।

ठाकुर प्रेम नंदवंशी ने आरोप लगाया कि उन्हें इंजीनियर गरिमा द्विवेदी सहित अन्य संबंधित लोगों की ओर से जान–माल की धमकी दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में उनके साथ कोई अप्रिय घटना होती है, तो इसके लिए संबंधित आरोपित जिम्मेदार होंगे। इस संबंध में उनके आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

उन्होंने बताया कि धरना शुरू करने से पहले वह कई बार जिलाधिकारी और संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र सौंपकर अपनी मांगों से अवगत करा चुके हैं। इसके बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण उन्हें अनिश्चितकालीन धरने पर बैठना पड़ा। ठाकुर प्रेम नंदवंशी के साथ धरने पर राम सुमेर यादव, रितिक कुमार, दया निधि आनंद, लालमणि शर्मा, मोहम्मद अजीम, आरिफ, अल्तमस और राम सुरेश यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ज्योति यात्रा में उमड़ी आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ज्योति यात्रा का आयोजन विजयादशमी को किया गया। कंपनीबाग से निकलने वाली इस यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखा गया। ज्योति यात्रा के रजत जयंती वर्ष में देश की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की मनोहारी झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम संयोजक कमल सेन ने बताया कि 20 अक्तूबर को सायं 5 बजे कंपनी बाग से निकलने वाली ज्योति यात्रा में बनारस की प्रसिद्ध गंगा आरती, उज्जैन के महाकाल के ढोल की प्रस्तुति, महाकाल बाबा की शाही पालकी, मथुरा का मयूर नृत्य, महाराष्ट्रीयन दीपक नृत्य और राजस्थानी लोकनृत्य एवं कानपुर की शनि इंटरनेशनल झांकी आकर्षण का केंद्र रही। साथ ही ब्रज की प्रसिद्ध फूलों की होली, भव्य राम दरबार और संस्कृत विद्यालय के बच्चों द्वारा प्रस्तुत आरती कार्यक्रम की शोभा बढ़ाया।

रजत जयंती वर्ष में आयोजन को यादगार बनाने के लिए धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों को विशेष रूप दिया गया था। यात्रा में विभिन्न आकर्षक झांकियों और भक्तिमय प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता और सनातन परंपराओं की भव्यता प्रदर्शित की गई। मां की पवित्र ज्योति के दर्शन और धार्मिक आयोजनों में सहभागिता के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ी। विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह, सैकी सचदेवा, राय अंकुरम श्रीवास्तव, पवन मल्होत्रा, सोनू पांडेय, ओमप्रकाश अरोड़ा, हरि सिंह बबलू, कुलदीप सिंह जयप्रकाश अरोड़ा, राजेश चित्रगुप्त, सर्वेश यादव विक्की, सनम सरदार, विनय पांडेय, लक्ष्मी अरोड़ा, विनय सिंह, मुकेश, सीतू, सन्नी, साहब सिंह सचदेवा आदि ने योगदान दिया। ज्योति यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमडे और मां दुर्गा के चरणों में अपनी आस्था व्यक्त किया।

ज्योति यात्रा आस्था पूर्वक सम्पन्न होने और ग्रामीण क्षेत्रों में देवी प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद शहर के देवी पाण्डालों में आस्था उमड़ पड़ी है। कम्पनी बाग से पाण्डेय बाजार तक अनेक स्थानों पर देवी पाण्डालों को भव्यता से सजाया गया है।

पांच बच्चों के साथ बेबस मां ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के पड़िया खास तकियवा निवासिनी मुस्कान पत्नी मो. नसीर पांच बच्चों के साथ न्याय के लिए दर–दर भटक रही है। उसने एसपी को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है।

मुस्कान, पत्नी नसीर, ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में कहा है कि उसके पति मुंबई में रहकर मजदूरी करते हैं और उसी से परिवार का खर्च चलता है। पति के बाहर रहने के कारण वह अपने पांच बच्चों के साथ घर पर रहती है।

पीड़िता के मुताबिक गत 15 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब ढाई बजे वह अपने खेत को देखने गई थी। खेत से घर लौटते समय रास्ते में सायना खातून और सलमा पत्नी बगेदू उर्फ जलाल ने उसे रोक लिया और मारपीट करने लगीं। जब उसने मारने का कारण पूछा तो आरोपियों ने उसके खेत में जाने की बात कही। पीड़िता का कहना है कि उसने बताया कि वह अपने ही खेत में गई थी, लेकिन आरोपियों ने उसकी बात नहीं मानी और बांस के डंडे से पिटाई करने लगीं। किसी तरह जान बचाकर वह घर भाग गई।

महिला ने आरोप लगाया कि उसी दिन शाम करीब साढ़े छह बजे आरोपी पक्ष के सलमा खातूलन और सलमा लाठी–डंडे, ईंट और पत्थर लेकर उसके घर में घुस आए। इस दौरान उसके साथ मारपीट की गई और घर की खिड़की व दरवाजे के शीशे तोड़ दिए गए। पीड़िता के अनुसार, घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद 16 अक्टूबर को दोनों पक्षों के बीच सुलह हो गई थी।

पीड़िता ने प्रार्थना पत्र में कहा है कि 20 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब डेढ़ बजे उसके बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। इसी दौरान गेंद सलमा के घर के सामने चली गई। आरोप है कि इस बात को लेकर सलमा खातून और सायना खातून ने उसके छोटे बेटे अफजल को पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। बच्चों को बचाने पहुंची मुस्कान के साथ भी मारपीट की गई। महिला ने आरोप लगाया कि सरजात पुत्र मुस्तफा, सलमा पत्नी बगेदू उर्फ जलाल, सायना खातून, अफजल पुत्र नवाब अली, फारुख पुत्र इस्लाम, तबारक पुत्र मुबारक और मुबारक की पत्नी समेत अन्य लोग एकजुट होकर उस पर टूट पड़े। आरोप है कि हमलावरों ने लाठी–डंडों से पिटाई करने के साथ गाली–गलौज की। मारपीट में उसे गंभीर चोटें आईं और वह बेहोश हो गई। पीड़िता के मुताबिक, उसे जिला अस्पताल बस्ती में भर्ती कराया गया था।

महिला का यह भी आरोप है कि हमलावरों ने उसके कान में पहने आभूषण और नाक की कील निकाल ली तथा उसके कपड़े भी फाड़ दिए। पीड़िता का कहना है कि करीब पांच महीने पहले उसका बड़ा ऑपरेशन हुआ था। इसके बावजूद उसके पेट पर लात–घूंसों से हमला किया गया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई।

पीड़िता का कहना है कि उसने घटना की सूचना संबंधित थाने पर दी, लेकिन उसकी शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। आर्थिक रूप से कमजोर महिला अपने पांच बच्चों के साथ न्याय के लिए भटकने को मजबूर है। पति के मुंबई में मजदूरी करने के कारण परिवार की जिम्मेदारी भी उसी पर है। अब पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, पूर्व केंद्रीय मंत्रियों ने हरीश द्विवेदी की माता को दिया श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं मा. सांसद अनुराग ठाकुर , पूर्व केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय , राधा मोहन सिंह ने राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी जी के पैतृक गांव तेलियाजोत, स्थित आवास पर पूज्य माताजी के गोलोक गमन के उपरांत आयोजित ब्रह्मभोज कार्यक्रम में पूज्य माताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इसी मौके पर परम पूज्य संत करपात्री महाराज, स्वामी आनंद स्वरूप महाराज, राष्ट्रीय महामंत्री एवं केंद्रीय कार्यालय प्रभारी तरुण चुग , पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद गौतमबुद्ध नगर डॉ. महेश शर्मा , रूधौली के पूर्व विधायक संजय जायसवाल , उत्तर प्रदेश सरकार में माननीय राज्यमंत्री के.पी. मलिक , क्षेत्रीय अध्यक्ष गोरखपुर विनोद राय , बिहार के मुख्य सचेतक संजीव चौरसिया जी, सी.पी. सिंह , बिजनौर के पूर्व प्रत्याशी राजेश पांडेय , गोरखपुर के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष दुष्यंत चौहान , उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड , विधायक सुशील सिंह , क नंदकिशोर गुर्जर , महाराष्ट्र के पूर्व राज्य गृहमंत्री कृपाशंकर सिंह , विवेक सिंह 'राजा', सांसद जगदंबिका पाल , उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य अपर्णा यादव , विधायक प्रकाश द्विवेदी , विधायक रमेश मिश्रा , विधायक महेंद्र पाल सिंह, एमएलसी विनीत सिंह , पूर्व मंत्री सुनील भराला , महापौर कानपुर प्रमिला पांडेय पूर्व जिला अध्यक्ष गोरखपुर अशोक सिंह , विधायक श्री राम चौहान, भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद डॉ हेमांग जोशी ,प्रदेश अध्यक्ष डॉ रोहित मिश्र ,नव नियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री युवा मोर्चा हर्षवर्धन सिंह व नव नियुक्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निखिल मणि तिवारी सहित अन्य गणमान्यजनों, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने पूज्य माता जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 22 अक्टूबर 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

आपराधिक गिराहों को किसका संरक्षण..?

देश में कानून–व्यवस्था के समांतर अपराध की सत्ता चलाने वाले गिरोहों का इतिहास पुराना रहा है। बेशक समय के साथ अपराधी संगठनों के नामकरण और अपराध के तौर–तरीके जरूर बदले हों, लेकिन उनका खौफ गाहे–बगाहे बना रहा। कभी मुंबई हाजी मस्तान और दाऊद से लेकर छोटे राजन के गैंगवार की साक्षी रही है। अब वहां नये सिरे से गैंगस्टरों का दखल बढ़ रहा है। रविवार को बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुआ हमला इसका हालिया उदाहरण है। जो बताता है कि गैंगस्टर कैसे कानून व्यवस्था को खुलेआम चुनौतियां दे रहे हैं। पहले भी सलमान खान व रोहित शेट्टी जैसे सितारे और फिल्म निर्माता गैंगस्टरों के निशाने पर रहे हैं। जो बताता है कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अब भी संगठित अपराध कानून व्यवस्था के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यह सराहनीय है कि मुंबई पुलिस की खुफिया सूचनाओं की मदद से कोटा रेलवे स्टेशन से तीन संदिग्ध हमलावरों को राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इन अभियुक्तों की गिरफ्तारियों से टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले के पीछे के आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने में मदद मिल सकेगी। निश्चय ही इस दिशा में कोशिशें तेज करने की जरूरत है। मुंबई पुलिस के लिये ये गिरफ्तारियां और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं क्योंकि इससे पहले कई फिल्मी सितारों को गैंगस्टरों की तरफ से धमकियां दी जाती रही हैं। जिनमें फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी और फिल्म स्टार सलमान खान को डराने के लिये भी गोलीबारी की घटनाएं विगत में हो चुकी हैं। निस्संदेह, इन मामलों को महज धमकियों और जबरन वसूली तथा हिंसा की इक्का–दुक्का घटनाओं के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में ये समाज में लगातार गहरी होती जाती एक गंभीर समस्या के लक्षण हैं। यदि समय रहते ऐसे गैंगस्टरों की कमर नहीं तोड़ी जाती तो वे समाज में रक्तबीजों की तरह लगातार बढ़ते जाएंगे। उनकी प्रतिद्वंद्विता का खमियाजा कालांतर कानून–व्यवस्था बाधित होने से समाज को ही भुगतना पड़ेगा।

दरअसल, पुलिस की शुरुआती जांच से पता चला है कि इस हमले के संदिग्ध हमलावरों में से एक का संबंध लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कथित साथी से है। यहां उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आए लॉरेंस बिश्नोई साल 2015 से जेल में बंद है। ऐसे में सवाल उठता है कि कड़ी पुलिस सुरक्षा में जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई का नाम गाहे–बगाहे विभिन्न अपराधों में संलिप्तता के रूप में कैसे उछाला जाता है? भारत ही नहीं, उसके साथी यूरोप व अमेरिका में सक्रिय बताये जाते हैं। अमेरिका में उसे अंतर्राष्ट्रीय गैंगस्टर गिरोह के रूप में चिन्हित किया जाता है। कुछ समय पहले उसके करीबी सहयोगियों में से एक, करमवीर सिंह को कनाडा से डिपोर्ट किया गया था। पिछले महीने पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। वहीं दूसरी ओर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल को नवंबर 2025 में अमेरिका से डिपोर्ट किया गया था। उसके उपरांत नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल, यह मामला आपराधिक गिरोहों और आतंकी समूहों के बीच सांठगांठ से जुड़ा बताया जाता है। बहरहाल, टाइगर पर हमले वाली घटना सार्वजनिक सुरक्षा पर कई गंभीर सवाल खड़े करती है। अगर हमलावर मुंबई के एक बेहद भीड़–भाड़ वाले इलाके में किसी सेलिब्रिटी पर गोली चलाकर फरार हो सकते हैं और अपराध करने के बाद राज्य की सीमा से बाहर चले जाते हैं, तो यह सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल है। यह घटनाक्रम खुफिया जानकारी साझा करने की व्यवस्था और पुलिस की एहतियाती कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल उठाता है। आपराधिक गिरोहों को कानूनी व्यवस्था की खामियों का लाभ उठाने से रोकने के लिये देश के विभिन्न राज्यों के बीच लगातार सहयोग होना जरूरी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सूचना को लेकर तालमेल उतना ही जरूरी है, क्योंकि अपराधी गिरोह बेखौफ होकर सीमाओं के पार भी अपनी गतिविधियां बेरोक–टोक चला रहे हैं। निश्चित रूप से बॉलीवुड सितारों और अन्य विशिष्ट लोगों को चाकचौबंद सुरक्षा मिलनी ही चाहिए। लेकिन हर आम आदमी को भी सुरक्षा पाने का हक है। निस्संदेह, कानून लागू करने वाली एजेंसियों को चुनौती देने वाले इन गिरोहों की कमर तोड़ना राज्य सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

कुपोषण से मौतें

देश ने पिछले कुछ दशकों में आर्थिक विकास, विज्ञान, तकनीक और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। मगर सवाल है कि इस विकास का आधार क्या आम आदमी के जीवन स्तर में सुधार से जुड़ा है? जब भारत की गिनती दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में की जाती हो, ऐसे समय में भी देश में अगर बच्चों के कुपोषण की समस्या एक गंभीर चुनौती बनकर सामने खड़ी हो, तो यथार्थ के आईने में विकास को किस रूप में देखा जाएगा। कुपोषण न केवल बच्चों के शारीरिक विकास को प्रभावित करता है, बल्कि उनकी मानसिक क्षमता और भविष्य की संभावनाओं पर भी प्रतिकूल असर डालता है। कई बार तो यह स्थिति मौत का कारण भी बन जाती है। केरलम के अलप्पुझा जिले में हाल में ऐसी ही एक घटना सामने आई, जिसमें दो साल के एक मासूम बच्चे ने भुखमरी और कुपोषण के कारण दम तोड़ दिया। यह घटना सरकार के खाद्य सुरक्षा के दावों की जमीनी हकीकत को भी बयान करती है।

केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से गरीब परिवारों को निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराने तथा बच्चों एवं महिलाओं में कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं, मगर यह सुनिश्चित करने का प्रयास शायद ही होता है कि क्या इनका लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंच पा रहा है या नहीं। केरलम की घटना पर राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने संज्ञान लिया है, लेकिन इस मामले में कोई प्रभावी कार्रवाई हो पाएगी, इस संबंध में अभी कुछ कहना मुश्किल है।

इस घटना के बाद स्थानीय बाल कल्याण समिति ने पीड़ित परिवार के अन्य बच्चों को अपनी देखरेख में ले लिया है, मगर अहम सवाल यह है कि सरकार या समिति की ओर से इस तरह के कदम पहले क्यों नहीं उठाए गए। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, केरलम शिक्षा और जागरूकता के मामले में काफी आगे है, फिर क्या वजह रही कि आस–पड़ोस के लोगों ने भी इस परिवार की कोई सुध नहीं ली! बच्चों का स्वस्थ विकास परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का दायित्व है। आज के स्वस्थ बच्चों से ही कल के सशक्त भारत का निर्माण संभव है।

यूरोप में युवाओं के आक्रोश से उपजे प्रश्न

—भाषा सिंह—

युवा पीढ़ी के गुस्से की वजह एक नहीं, अलग–अलग हैं। लेकिन एक चीज कॉमन है और वह यह कि उनके जीवन से जुड़ी बुनियादी जरूरतों के बारे में उनके देशों की सरकारों का उदासीन रवैया है। जिस स्तर पर उनका गुस्सा भड़का है, उससे यह बात भी साफ है कि वे लंबे समय से अपने देश की सरकारों की गलत नीतियों से परेशान थे, पीड़ित थे और अब उनमें बदलाव चाहते हैं।

यूरोप में युवा सड़कों पर हैं, गुस्से में हैं और उनका आंदोलन उग्र रूप ले चुका है। फ्रांस में आंदोलन के गुस्से का शिकार बड़े पैमाने पर लंबे इतिहास को समेटे सरकारी इमारतें हुई हैं। हिंसा और आगजनी का दौर चल रहा है, भीड़ बेकाबू नजर आ रही है। करीब 44 देशों के समूह को यूरोप कहा जाता है, जिसमें से फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन और अल्बानिया में युवाओं का आंदोलन पूरे उफान पर है। बाकी देशों में भी युवाओं की नाराजगी की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। इन तमाम देशों में जेनजी यानी वर्ष 1997 से 2012 के बीच पैदा हुई युवा पीढ़ी के गुस्से की वजह एक नहीं, अलग–अलग है। लेकिन एक चीज कॉमन है और वह यह कि उनके जीवन से जुड़ी बुनियादी जरूरतों के बारे में उनके देशों की सरकारों का उदासीन रवैया है। जिस स्तर पर उनका गुस्सा भड़का है, उससे यह बात भी साफ है कि वे लंबे समय से अपने देश की सरकारों की गलत नीतियों से परेशान थे, पीड़ित थे और अब उनमें बदलाव चाहते हैं। बाकी दुनिया में चले जेनजी आंदोलनों की तरह यहां भी कोई एक संगठन या पार्टी उनका नेतृत्व करती नहीं नजर आ रही है। बहुत हद तक ये तमाम आंदोलन स्वतःस्फूर्त नजर आ रहे हैं।

फ्रांस में बढ़ती हिंसा–आगजनी को लेकर दुनिया भर में चिंता व्यक्त की जा रही है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने सीधे–सीधे कहा कि इस तरह की हिंसा फ्रांस की जनता कैसे कर सकती है, यह अराजक तत्वों का गंदा खेल है, जिससे देश यानी फ्रांस को नुकसान हो रहा है। हालांकि, यहां मैक्रों यह बताने में असफल रहते हैं कि जो आंदोलन स्कूलों की बदतर हालत को सुधारने के लिए शुरू हुआ, वह यहां तक कैसे पहुंचा और क्यों उनकी सरकार ने इस मुद्दे को शुरू में ही हल करने का प्रयास नहीं किया। अब तो जेनजी आंदोलन उनके हाथ से बाहर निकल गया है। प्रदर्शनकारियों ने लिमोज में 19वीं सदी के ऐतिहासिक सिटी हॉल में आग लगा दी। पेरिस के लग्जरी ब्रांडों की दुकानों, बैंकों व दूसरे भवनों में आग लगा दी। पेरिस के वाणिज्य मंडल के अध्यक्ष के अनुसार, शनिवार–रविवार को करीब 400 दुकानों को नुकसान पहुंचाया गया। खराब स्कूलों और छात्रविरोधी शिक्षा नीति के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन रौद्र रूप हासिल कर चुका है।

किसी ने भी सितंबर में यह नहीं सोचा था कि स्कूलों की बदहाली, शिक्षकों की कमी और विश्वविद्यालय में दाखिले के मुद्दों से शुरू हुआ यह आंदोलन इतना उग्र रूप धारण कर लेगा। उधर, स्पेन और पुर्तगाल जैसे देशों में युवाओं का गुस्सा महंगे घरों और ऊंचे किराये को लेकर फूटा। यहां के युवाओं का कहना है कि महंगाई इतनी बढ़ गई है कि वे किराये पर घर नहीं ले पा रहे हैं और उनका भविष्य चौपट हो रहा है। वहीं, बेल्जियम में सरकारी बजट में कटौती ने युवाओं और ट्रेड यूनियनों को सड़कों पर उतार दिया है। बेल्जियम में ट्रेड यूनियन लंबे समय से सरकार की मजदूर–विरोधी नीतियों के खिलाफ गुस्से में थीं। छात्रों ने भी अब मोर्चा संभाल लिया है।

यूरोप इस समय जबरदस्त महंगाई की मार झेल रहा है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। इटली में युवाओं का गुस्सा महंगाई, रोजमर्रा की चीजों की कीमतों में आए उछाल और नौकरियों के संकट को लेकर फूटा है। उधर, अल्बानिया में जेनजी आंदोलन फ्रांस की ही तरह उग्र और हिंसक रूप ले चुका है। यहां व्यवस्था में जिस तरह भ्रष्टाचार व्याप्त है और वहां की अदालतें जिस तरह भ्रष्ट व्यवस्था के साथ खड़ी हैं, उसे लेकर युवाओं और बाकी जनता में बहुत गुस्सा है। अल्बानिया में आंदोलनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट को ही जला दिया, क्योंकि उनका कहना था कि कोर्ट भ्रष्ट सरकार को बचाने का काम कर रहा है और जनता की बात नहीं सुन रहा है। इस हिंसा का विरोध भी हुआ है, लेकिन अभी बातचीत का दौर शुरू नहीं हो पाया है।

यूरोप और खास तौर से फ्रांस के विकास के मिथक को इस आंदोलन ने तोड़ा है, क्योंकि फ्रांस के एक छोटे से इलाके क्रेतेई के हाईस्कूल में छात्रों ने इसकी शुरुआत की। वे अपने स्कूल के खराब हालात से परेशान थे। टूटी इमारत, टूटी खिड़कियां, कम शिक्षक, स्कूलों में कॉकरोचों व चूहों का आतंककृइन सब पर उनका गुस्सा फूटा था। लंबे समय से स्कूली छात्रों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों में स्कूलों की बदहाल स्थिति को लेकर नाराजगी थी। फ्रांस के स्कूलों में भी अमीरों के निजी स्कूलों और सरकारी स्कूलों की स्थिति में बहुत अंतर है। अंतर इलाकों के हिसाब से भी है। बड़े शहरों के पॉश इलाकों के स्कूल ठीक हैं, वहां अध्यापकों की उपलब्धता भी ठीक है। ऐसा दूर–दराज के इलाकों में नहीं है।

इस आंदोलन के दौरान यह सवाल भी सामने आया कि जहां गरीब लोग रहते हैं, वहां के स्कूलों को बेसहारा छोड़ दिया गया है। इन स्कूलों के शिक्षकों का भी कहना है कि कम आय वाले इलाकों में स्कूल होने की वजह से यहां पर्याप्त सुविधाएं और संसाधन सरकार नहीं देती है। इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य चौपट हो जाता है। यह भेदभाव है, जिसे अब हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। जब से यह आंदोलन शुरू हुआ है, तब से चर्चा के केंद्र में मैक्रों सरकार की गलत नीतियां भी आई हैं। इसके केंद्र में यह मांग है कि फ्रांस के सभी छात्रों को अच्छी शिक्षा, सुरक्षित स्कूल और समान अवसर मिलने चाहिए। इसके लिए नीतिगत बदलाव की मांग जोर पकड़ रही है।

बड़ी संख्या में छात्र फ्रांस की विश्वविद्यालय प्रवेश प्रणाली में भी बदलाव की मांग कर रहे हैं। ज्यादा स्कूल खोलने की मांग तो हो ही रही है। छात्रों का मानना है कि सरकार शिक्षा के बुनियादी अधिकार पर ध्यान न देकर उनके भविष्य को चौपट कर रही है। स्कूलों में पढ़ाई के लिए बुनियादी सुविधाओं के अभाव और सरकार की अनदेखी ने युवा वर्ग के गुस्से को उबाल पर ला दिया, जिसकी वजह से कई जगहों पर आंदोलन ने बहुत उग्र रूप अख्तियार कर लिया। आज की तारीख में यह आंदोलन बेहद उग्र रूप ले चुका है और मौजूदा सरकार के हाथ–पैर फूले हुए हैं। एक राष्ट्रीय संकट खड़ा हो गया है।

इस जेनजी उभार–आंदोलन में सोशल मीडिया की भी अहम भूमिका है। दुनिया भर के जेनजी एक–दूसरे से जुड़ाव महसूस करते हैं और एक–दूसरे का समर्थन भी करते हैं। यही वजह है कि जब सितंबर 2026 में फ्रांस में स्कूली शिक्षा को लेकर आंदोलन शुरू हुआ, तो इसका असर आसपास के देशों पर भी बढ़ना शुरू हो गया और आज इसने यूरोप के एक बड़े हिस्से को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। हर देश के जेनजी की मांग अलग है, लेकिन जज्बा एक ही हैकृहर सूरत में इंसाफ चाहिए, चाहे इसके लिए कुछ भी क्यों न करना पड़े।–लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

क्या कभी आत्महीनता से मुक्त हो सकेंगे हम?

—प्रो. संजय द्विवेदी—

कोई भी राष्ट्र जिस स्थिति में होता है, उसके लिए वह खुद जिम्मेदार होता है। जापानी जैसे हैं ,उनका देश वैसा ही है। इसी तरह की बात इजरायल, चीन और ईरान या किसी भी देश के बारे में हो सकती है। भारत भी वैसा ही है, जैसे हम हैं! ऐसे में कभी विदेशी आक्रांताओं,कभी मैकाले और कभी अपनी आजादी के बाद सत्ता में आए नायकों को कोसते हुए हम अपने कर्तव्यबोध से मुक्त हो जाते हैं। कोई भी राष्ट्र अपने नागरिकों की सामूहिक चेतना के आधार पर विकसित होता है। उसका इतिहासबोध, संस्कृतिबोधा, मित्रबोध और शत्रुबोध मिलकर उसका निर्माण करते हैं। इनसे ही राष्ट्रीय मानस या राष्ट्रीय भाव बनता है।

लंबे समय की गुलामी ने हमें आत्मदैन्य और आत्महीनता की ओर ढकेल दिया। भारतीय समाज के अपने पारंपरिक मूल्यों को छोड़कर हम शासक वर्गों द्वारा थोपी जा रही संस्कृति का अनुगमन करने लगे। हमें लगा हमारे अंग्रेज शासक, उनकी भाषा, पहनावा और उनकी संस्कृति–पंथ सबकुछ हमसे बेहतर है। उनके अनुयायी बनकर ही हमारी मुक्ति है। तत्कालीन समाज के श्रेष्ठ जन भी ब्रिटिश शासन में अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त कर भारत लौटते थे और खुद को आधा–अधूरा अंग्रेज साबित करने में जुट जाते थे। ऐसे में शेष समाज अपने श्रेष्ठ वर्ग का आचरण देख वैसा ही बनने का प्रयास करने लगा। देश में तमाम सर, रायबहादुर और साहेब बहादुर हमारे आदर्श बन गए। स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक, महर्षि अरविन्द, महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी, भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय,रवीन्द्र नाथ टैगोर के बहुत गहरे भारतबोध की प्रज्ञा ने हमें संभाला ,वरना हमारी दास्तां भी न होती दास्तानों में। हमारी हस्ती मिटने से कोई रोक नहीं सकता था।

औसत भारतीय का आचरण अंग्रेजी शासनकाल में कैसा था, कहने की जरूरत नहीं है। हम कोहिनूर को छोड़कर कांच की ओर दौड़ रहे थे। अंग्रेजी भाषा और संस्कृति श्रेष्ठता की परिचायक बन गई। जब तक अपना कोई व्यक्ति या कार्य पश्चिम में स्थापित न हो जाए, उसे हम श्रेष्ठ मानने को तैयार नहीं थे। अंग्रेजी शासन और उसके बाद के आजादी के साल भी आत्मगौरव के अभाव में गुजरे साल बनकर रह गए। सत्ता के आतंक और सत्ता से जुड़े रहने के आकर्षण से हमने श्अपने जीवन मूल्यों का सनातन सिद्ध राजमार्गश छोड़कर श्अंग्रेजियत की पगडंडियोंश पर चलना प्रारंभ कर दिया, जो हमारा देखा–परखा रास्ता नहीं था। जाहिर है इस मार्ग पर हम नेतृत्वकर्ता नहीं, अनुगामी ही बन सकते थे। हमारे एकत्व को चोटिल करने के सचेतन प्रयास प्रारंभ हुए। भारतीय शिक्षा पद्धति को अंग्रेजी राज में कैसे नष्ट किया गया, इसे धर्मपाल जी को पढ़कर ही समझ में आएगा। श्स्वश के स्थान पर श्परकीयश विचारों की स्थापना के प्रयास खूब चले। हम एक श्राष्ट्रश नहीं हैं, बताया गया। अनेक स्थानीयताओं को राष्ट्रीयता के बरक्स स्थापित करने के अकादमिक प्रयास भी खूब चले, सफल भी हुए। कैसे और कितने विभाजन गढ़े जा सकते हैं, सारा जोर इसी पर था। भारतीय ज्ञान परंपरा पर चल रहे लोगों के आत्मविश्वास को समाप्त कर इस पूरे विचार को ही पोंगापंथ और पिछड़ेपन के रुप में आरोपित किया जाना फैशन बन गया।

राजनीतिक परिवर्तन के कारण लंबे समय के बाद भारत फिर से खुद को खोज रहा है। अपनी जड़ों की तरफ वापसी करना चाहता है। जिसे श्विचारों की घर वापसीश कहकर संबोधित किया गया। जरूरी है कि भारत प्रेमी बौद्धिक वर्ग सत्य के सूर्य की स्थापना करने के लिए अध्यवसाय में जुट जाए। सिर्फ भावनात्मक प्रवचनों, कार्यक्रमों से आगे बढ़कर भ्रमों के निवारण का जतन करे। ऐसे कुशल बौद्धिक योद्धा ही अपनी ज्ञान परंपरा को सामने लाकर तथ्य, प्रमाणों के साथ उनकी युगानुकुल व्याख्या करेंगे। इसके लिए हमें लोकसंग्रही और विनम्र बनना पहली शर्त है। परंपरा,जीवन पद्धति और परिवार पर छाए संकटों के बीच ये प्रयत्न ही हमें आत्मशक्ति देंगे। दुनिया भर में चल रहे सभ्यतागत संघर्ष के बीच भारत को अपनी वृहत्तर भूमिका का निर्वहन करना है, क्योंकि हमारे पास दुनिया को देने के लिए समावेशी विचार है। जहां साझापन सौंदर्य की तरह है, विविधता और बहुलता का यहां उत्सव मनाया जाता है। हम पूजा में भी अनेक देवताओं की पूजा करते हैं। बहुलतावादी समाज होने कारण हमने मतभिन्नता का सदैव स्वागत किया। इसका उदाहरण हमारी श्शास्त्रार्थश परंपरा है। इसलिए 'एक किताब,एक विचार, एक देवता ' को मानने और दूसरे विचार को समाप्त करने को आतुर विचार भारत को नहीं समझ सकते। जहां दुनिया के हर पंथ के लोग नैसर्गिक सहजता से सांस ले सकते हैं। यहां कोई श्रेष्ठ और निकृष्ट नहीं है। सब समान रूप से इस धरती मां की संतानें हैं। ऐसे में भारत केंद्रित विमर्श ही विश्व शांति का मार्ग है। श्स्वत्वश ही मार्ग है, जिस पर चलने के लिए हमें महात्मा गांधी, धर्मपाल, सीताराम गोयल, दीनदयाल उपाध्याय, वासुदेव शरण अग्रवाल, निर्मल वर्मा, विद्यानिवास मिश्र का अध्ययन मदद कर सकता है। इससे भारत के मूल विचार को समझने तथा भारत का मौलिक चिंतन स्थापित करने में मदद मिलती है। इससे ही गलत बातों का खंडन करते हुए हम सही विमर्श की स्थापना में सफल हो पाएंगे।

भारतीय उदात्त जीवन मूल्यों के आधार पर संपूर्ण विश्व के लिए हमें ही वैश्विक बौद्धिक नेतृत्व देना होगा। जिसकी एक झलक हमें स्वामी विवेकानंद में दिखती है। ऐसे में 'स्वबोध' का जागरण ही विकल्प है। पहले हमारे अपने विचार को भारत तो स्वीकार करे। वह आत्मदैन्य से मुक्त होकर 'भारतश को 'भारत' (इंडिया नहीं) की नजर से देखना प्रारंभ करे। वैचारिक साम्राज्यवाद से मुक्ति के लिए कई स्तरों पर कार्य करने की आवश्यकता है। इसे इस तरह से समझिए कि गोरा बनाना और अंग्रेजी सिखाना आज भी हिंदुस्तान में दो सबसे बड़े व्यापार हैं। यही उपनिवेशवादी मानसिकता है। इसके चलते ही हमारे गांव उजड़ते चले गए और संयुक्त परिवार बिखर गए। आज एकल परिवारों के नाते अलग तरह के सामाजिक–सांस्कृतिक संकट हमारे सामने हैं। जाति, भाषा, क्षेत्र,पंथ की लड़ाइयों को छोड़कर भी बहुत सी विभाजनकारी बातें हर दिन आज भी खोजी जाती हैं , फिर आख्यान (नरेटिव) गढ़े जाते हैं। भारत जिसे कभी श्इंडियाश बनाने की कोशिशें हुईं, उसे भारत बनाए रखने के लिए हमें ही आगे आना होगा। क्योंकि भारत का नष्ट होना, उस विचार का मिट जाना होगा, जिसने हमें ष्वसुधैव कुटुम्बकम्ष का संदेश दिया। जिसने हमें राम, कृष्ण,शिव, बुद्ध, महावीर, गुरु नानक देव जैसे नायक दिए। जिसने ष्सर्वे भवन्तु सुखिनरूष में अपनी मुक्ति देखी और लोक–मंगल जिसका मूलमंत्र रहा। (लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के उजाले

—: ललित गर्ग:—

लोकतंत्र की मजबूती का वास्तविक प्रमाण केवल चुनावों का नियमित आयोजन, संसद में बहुमत अथवा राजनीतिक दलों की लोकप्रियता नहीं है, बल्कि यह है कि संविधान के सामने सत्ता, विपक्ष और सामान्य नागरिक की स्थिति समान हो। जब सामाजिक न्याय, आरक्षण, धार्मिक स्वतंत्रता और चुनावी निष्पक्षता जैसे प्रश्न एक साथ राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आते हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। न्यायपालिका वह संवैधानिक संस्था है, जिससे नागरिक यह अपेक्षा करता है कि वह राजनीतिक आग्रहों, सामाजिक दबावों और सत्ता के प्रभाव से मुक्त रहकर न्याय का मार्ग प्रशस्त करेगी। आज आरक्षण की पात्रता और धर्मांतरण से जुड़े विवादों से लेकर निर्वाचन प्रक्रिया तथा न्यायालय की गरिमा तक, अनेक प्रश्न इसी अपेक्षा की कसौटी बनकर सामने हैं। इन प्रश्नों पर विचार करते समय आवश्यक है कि हम न किसी राजनीतिक पक्ष के प्रचारक बनें, न किसी धार्मिक समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह रखें, बल्कि संविधान की भावना और न्याय के व्यापक उद्देश्य को केंद्र में रखें। अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण भारतीय संविधान की उन ऐतिहासिक व्यवस्थाओं में है, जिनका उद्देश्य सदियों से चले आ रहे सामाजिक बहिष्कार, अस्पृश्यता और भेदभाव के दुष्परिणामों को दूर करना है। यह केवल रोजगार अथवा शिक्षा में कुछ अतिरिक्त अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था नहीं, बल्कि उस सामाजिक अन्याय के विरुद्ध संवैधानिक हस्तक्षेप है, जिसने बड़ी आबादी को लंबे समय तक समान अवसरों से वंचित रखा। इसलिए आरक्षण और धर्मांतरण के संबंध में होने वाली बहस को भावनाओं, धार्मिक आग्रहों अथवा राजनीतिक आरोपों के बजाय संवैधानिक प्रावधानों और सामाजिक वास्तविकताओं के आधार पर समझना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह स्पष्ट किया जाना एक स्वागत योग्य कदम है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के व्यक्तियों द्वारा धर्मांतरण करने पर उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। तमिलनाडु सरकार द्वारा इसे उच्च न्यायालय में चुनौती देना और अपने राज्य में इस प्रकार की सुविधा जारी रखना कि इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलता रहे, वास्तव में सनातन संस्कृति के आरक्षित वर्गों के हितों को कमजोर करने वाला और धर्मांतरण को परोक्ष रूप से बढ़ावा देने वाला कदम था। यह विडंबना ही है कि एक तरफ कुछ संगठन यह दावा करते हैं कि उनके यहां जातिगत भेदभाव का अस्तित्व नहीं है, वहीं दूसरी ओर वे एससी और ओबीसी वर्ग के लोगों को अपने पंथ में आने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलने की पुरजोर वकालत करते हैं। इस प्रकार के दोहरे लाभ और प्रलोभनों के कारण न केवल धर्मांतरण की प्रवृत्ति को बल मिलता है, बल्कि हिंदू समाज को इसका भारी नुकसान उठाना पड़ता है, क्योंकि धर्मांतरित लोग आरक्षण के साथ–साथ अल्पसंख्यक दर्जे के लाभों का भी अनुचित दोहन करने लगते हैं। हालांकि विभिन्न राज्य सरकारें छल–कपट से होने वाले धर्मांतरण के विरुद्ध कड़े कानून बना रही हैं, फिर भी यह समस्या थमने का नाम नहीं ले रही है, जिसका प्रमुख कारण धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर हो रहा इसका दुरुपयोग है। अब समय आ गया है कि इस गंभीर विषय पर केंद्र सरकार और सर्वोच्च न्यायालय मिलकर ठोस और प्रभावी कदम उठाएं ताकि इस दुरुपयोग को रोका जा सके। इसी व्यापक संवैधानिक परिप्रेक्ष्य में सर्वोच्च न्यायालय का चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विवादों पर हस्तक्षेप भी उल्लेखनीय है।

दो युवकों का कत्ल, एक का गला रेता, दूसरे का चीर दिया पेट

संवाददाता–देवरिया। जिले में डबल मर्डर से सनसनी फैल गई। मईल थाना इलाके के बढ़या हरदो गांव के सामने मंगलवार की रात दो युवकों की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। एक युवक का गला रेता गया था, जबकि दूसरे के पेट पर चाकू से वार किया गया था। दोनों युवक शाम करीब सात बजे मेला देखने के लिए घर से निकले थे। आधी रात यूपी–112 के माध्यम से पुलिस को घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को दोनों युवकों के शव पड़े मिले। दोहरे हत्याकांड की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई।

रात में ही एसपी ने घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली और हत्याकांड के खुलासे के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित कीं। मृतकों की पहचान मईल थाना क्षेत्र के इटहुरा हजाम निवासी विनय यादव और

वकील यादव
विनय

करजहां निवासी वकील यादव के रूप में हुई है। विनय यादव गोरखपुर विकास प्राधिकरण में कार्यरत था। वह दशहरे के अवसर पर शनिवार को अपने घर आया था। वहीं, वकील यादव रेलवे में ग्रुप डी के पद पर लार रोड में कार्यरत था। बताया जा रहा है कि मंगलवार को वकील यादव की सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक ड्यूटी थी।

ड्यूटी पूरी करने के बाद वह घर पहुंचा था। जानकारी के अनुसार, मंगलवार की शाम करीब सात बजे विनय यादव और वकील यादव मेला देखने के लिए घर से निकले थे। इसके बाद रात में बढ़या हरदो गांव के सामने दोनों की हत्या कर दी गई। हमलावरों ने दोनों युवकों पर चाकू से वार किए थे। एक युवक का गला रेता गया था, जबकि दूसरे के पेट पर चाकू से वार किए जाने की बात सामने आई है। आधी रात यूपी–112 के माध्यम से मईल थानाध्यक्ष को घटना की सूचना मिली। दो युवकों की हत्या की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर मईल थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। वहां दोनों युवकों के शव पड़े मिले। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। दोहरे हत्याकांड की सूचना मिलने पर एसपी भी रात में मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर पुलिस से घटना के संबंध में जानकारी ली। साथ ही हत्याकांड का जल्द खुलासा करने के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित कीं। पुलिस ने रात में ही दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, दोनों युवकों की हत्या की जानकारी मिलते ही उनके परिवारों में कोहराम मच गया। परिजन का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। दोहरे हत्याकांड से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस हत्या की वजह और वारदात में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर छानबीन कर रही है। अभिजित आर. शंकर, एसपी, देवरिया ने कहा कि यूपी–112 के माध्यम से रामजानकी मार्ग पर बढ़या हरदो गांव के पास दो व्यक्तियों के घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो दोनों की मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान वकील यादव और विनय यादव के रूप में हुई है। प्रथम दृष्टया दोनों की हत्या किए जाने की बात सामने आई है। परिजन के शिकायती पत्र के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। हत्याकांड के खुलासे के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं।

शहीद पुलिसकर्मियों को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता–कुशीनगर। पुलिस स्मृति दिवस पर बुधवार सुबह 9 बजे पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने शहीद पुलिसकर्मियों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा समेत अन

एसपी केशव कुमार ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस उन बहादुर पुलिसकर्मियों के सर्वोच्च बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका त्याग, साहस और कर्तव्यनिष्ठा पुलिसकर्मियों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी।

एसपी ने कहा कि पुलिस विभाग शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है। शहीदों के आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए जनसेवा और कानून–व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाई जाएगी। समारोह में मौजूद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहीदों के आदर्शों पर चलने तथा जनता की सेवा और सुरक्षा के प्रति समर्पित रहने का संकल्प लिया। उन्होंने कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी जिम्मेदारी से काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

पुलिस विभाग ने नागरिकों से कानून का सम्मान करने और शांतिपूर्ण समाज के निर्माण में सहयोग देने की अपील की। कार्यक्रम के माध्यम से शहीद पुलिसकर्मियों के बलिदान को याद करते हुए उनके कर्तव्य और सेवा के संदेश को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

कुत्ते को बचाने के चक्कर में बाइक पेड़ से टकराई, किशोर की मौत

संवाददाता–महराजगंज। सड़क पर अचानक सामने आए कुत्ते को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार एक किशोर की मृत्यु हो गई, जबकि उसके चाचा और छोटा भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कालेज अस्पताल गोरखपुर में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद स्वजन में चीख–पुकार मच गई। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के बलुआभार निवासी 35 वर्षीय जितेंद्र विश्वकर्मा अपने 18 वर्षीय भतीजे सागर और 16 वर्षीय किशन के साथ एक ही बाइक से नटवा जंगल गए थे। बुधवार की सुबह करीब सात बजे तीनों बाइक से वापस घर लौट रहे थे। अभी वे श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के नटवा जंगल के पास पहुंचे थे कि अचानक सड़क पर एक कुत्ता आ गया। उसे बचाने के प्रयास में बाइक चालक का संतुलन बिगड़ गया। बाइक कुत्ते से टकराने के बाद सड़क किनारे स्थित पेड़ से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों की मदद से घायलों को निजी साधन से उपचार के लिए मेडिकल कालेज, अस्पताल गोरखपुर ले जाया जाने लगा। हालांकि, रास्ते में ही किशन की मृत्यु हो गई। वहीं, जितेंद्र विश्वकर्मा और सागर को मेडिकल कालेज अस्पताल गोरखपुर में भर्ती कराया गया है, जहां दोनों का उपचार चल रहा है।

आधी रात सोते समय लगी आग, ससुर-दामाद और 3 साल के नाती की जिंदा जलकर मौत,

संवाददाता–देवरिया। झोपड़ी में आग लगने से ससुर, दामाद और 3 साल के नाती की जिंदा जलकर मौत हो गई। सभी दशहरा मनाकर सो रहे थे। मंगलवार देर रात करीब 2 बजे अचानक झोपड़ी में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी झोपड़ी को चपेट में ले लिया। परिवार के लोगों की नींद खुल

चीख–पुकार सुनकर ग्रामीण दौड़े, लेकिन आग की ऊंची लपटों के सामने बेबस नजर आए। तब तक बुजुर्ग बालकिशुन और उनके 3 साल के नाती शनि की मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों ने किसी तरह बेटी लीला और दामाद जितेंद्र को बाहर निकाला। लीला 60 से 70 प्रतिशत तक झुलस गई हैं, जबकि जितेंद्र की भी मौत हो गई। घटना जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर भटनी थाना क्षेत्र के नोनापार गांव की है। मृतकों की पहचान बालकिशुन (56), उनके दामाद जितेंद्र प्रसाद (32) और नाती शनि (3) के रूप में हुई है। लीला

(30) को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। आग लगने की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। शुरुआती आशंका शॉर्ट सर्किट की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बालकिशुन की बेटी लीला पिछले तीन साल से मायके में रह रही थीं। वह पति जितेंद्र के साथ सूप और डलिया बनाने का काम करती थीं। उनका बेटा शनि भी उनके साथ रहता था। परिवार के लोग दशहरा घूमने गए थे। लौटने के बाद सभी ने खाना खाया और सो गए। रात करीब 2 बजे अचानक झोपड़ी से आग की लपटें उठने लगीं। आसपास के लोगों ने आग देखी तो शोर मचाया और पानी डालकर उसे बुझाने की कोशिश की। कुछ ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाते हुए जलती झोपड़ी में घुसकर लीला को बाहर निकाला। इस बीच पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंच गई। आग बुझने के बाद टीम झोपड़ी के अंदर गई तो बालकिशुन, जितेंद्र और शनि के जले हुए शव मिले। बालकिशुन के बेटे रतन ने बताया कि उनके पिता, बहन, बहनोई और भांजा एक ही झोपड़ी में सो रहे थे। वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ थोड़ी दूर दूसरी झोपड़ी में सो रहे थे। आग कैसे लगी, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। आग की लपटें दूर तक दिखाई देने लगीं तो वे झोपड़ी की तरफ दौड़े। तब तक पिता, बहन, बहनोई और भांजा बुरी तरह झुलस चुके थे। पिता और भांजे की मौत हो चुकी थी, जबकि तड़प रहे बहन और बहनोई को बाहर निकाला गया। सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीण चारों को भटनी ले गए, जहां डॉक्टरों ने बालकिशुन, जितेंद्र और शनि को मृत घोषित कर दिया। लीला की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक, लीला 60 से 70 प्रतिशत तक झुलस गई हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

बन्दर ने 20 दिन में दो दर्जन से अधिक बच्चों को काटा

संवाददाता–बहराइच। थाना सुजौली क्षेत्र अंतर्गत कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के जनजाति बाहुल्य गांव फकीरपुरी में एक बंदर के आतंक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार उक्त बंदर पहले पड़ोसी गांव रामपुरवा में था, जहां एक दर्जन से अधिक लोगों को काटने के बाद पिछले 20 दिनों से उसने फकीरपुरी गांव में डेरा जमा रखा है। अब तक दो दर्जन से अधिक लोगों को अपना शिकार बना चुका है। बंदर खुलेआम गांव में घरों में उछल–कूद कर रहा है और लोगों के घरों में घुसकर बैठ जा रहा है।

गांव के समाजसेवी सरवन चौधरी, कोटेदार पति अमरीश व ग्राम प्रधान माधुरी ने बताया कि बंदर ने ज्यादातर बच्चों पर हमला कर उन्हें नोंचा है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग से कई बार शिकायत कर बंदर को रेस्क्यू करने की मांग की गई, लेकिन विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

भिड़े बीजेपी विधायक व पूर्व विधायक के समर्थक, मंच पर चढ़ने को लेकर मारपीट

संवाददाता–गोंडा। जिले के करनैलगंज में मंगलवार देर शाम ऐतिहासिक रामलीला के समापन पर आयोजित सम्मान समारोह के दौरान भाजपा विधायक अजय कुमार सिंह और पूर्व विधायक स्वर्गीय अजय प्रताप उर्फ लाला भैया के पुत्र कुंवर शारदेन मोहन सिंह के समर्थकों के बीच विवाद हो गया।

मंच पर चढ़ने को लेकर शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते धक्का–मुक्की और झड़प में बदल गई। इस दौरान मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों के साथ भी धक्का–मुक्की हुई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मंगलवार देर रात करीब 7रू30 बजे रामलीला कमेटी करनैलगंज की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में वर्तमान भाजपा विधायक अजय कुमार सिंह और पूर्व विधायक स्वर्गीय अजय प्रताप उर्फ लाला भैया के पुत्र कुंवर शारदेन मोहन सिंह को आमंत्रित किया गया था।

समारोह के दौरान मंच पर चढ़ने को लेकर दोनों नेताओं के समर्थकों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि पहले विधायक के एक समर्थक ने पूर्व विधायक के पुत्र के

बाउंसर को धक्का दे दिया। इसके बाद नाराज बाउंसर ने विधायक के समर्थकों को एक–एक कर मंच से नीचे धकेलना शुरू कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच धक्का–मुक्की और मारपीट होने लगी।

विवाद बढ़ने पर स्थानीय चौकी प्रभारी और करनैलगंज कोतवाल मौके पर पहुंचे। दोनों पक्षों के समर्थकों को शांत कराने के लिए पुलिसकर्मी मंच पर चढ़े, लेकिन इस दौरान उनके साथ भी धक्का–मुक्की हुई। बताया जा रहा है कि पुलिसकर्मी धक्का लगने से नीचे गिरते–गिरते बचे। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सीओ विनय कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों के समर्थकों को समझाकर मामला शांत कराया। विवाद के बाद पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दोनों नेताओं को उनके घर पहुंचाया।

सीओ विनय कुमार सिंह ने बताया कि एक ही मंच पर सभी नेता मौजूद थे। इसी दौरान समर्थक मंच पर चढ़ने का प्रयास कर रहे थे। आरोप है कि एक बाउंसर ने समर्थक को धक्का दे दिया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। इस दौरान समर्थकों ने एक–दूसरे के साथ गाली–गलौज और धक्का–मुक्की की। फिलहाल दोनों पक्षों के समर्थकों को समझा दिया गया है और दोनों नेता अपने–अपने घर चले गए हैं।

किशोरी की घर के कमरे में साड़ी के फंदे से लटका मिला शव

संवाददाता–महराजगंज। धानी बाजार निवासिनी 14 वर्षीय किशोरी की बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। किशोरी का शव घर के कमरे में साड़ी के फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, धानी बाजार निवासी 14 वर्षीय स्नेहा पुत्री दुर्गेश की घर में किसी बात को लेकर नाराज थी। इसके बाद स्नेहा अपने कमरे में चली गई और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर तक जब वह कमरे से बाहर नहीं निकली तो परिजनों ने आवाज लगाई। अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर परिवार के लोगों ने दरवाजा तोड़ दिया। कमरे के अंदर स्नेहा साड़ी के फंदे के सहारे कुंडी से लटकी मिली। परिजनों ने आनन–फानन में उसे नीचे उतारा और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धानी लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोरी की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष बृजमनगंज मदन मोहन मिश्रा ने बताया कि किशोरी की मौत के मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मूर्ति विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा, नदी में डूबे पांच युवक, 2 की मौत

संवाददाता–गोण्डा। जिले के तरबगंज थाना क्षेत्र में घोघरा नाले के लक्ष्मणपुर घाट पर दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान डूबे 2 और युवकों के शव बुधवार सुबह 8 और 10 बजे बरामद कर लिए गए हैं। एसडीआरएफ की दो टीमों और स्थानीय गोताखोरों ने लगातार 16 घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। रात में भी यह अभियान जारी रहा। तरबगंज पुलिस ने तीनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि भैरमपुर गांव के कुछ लोगों ने बिना पुलिस अनुमति के प्रतिमा रखी थी। बिना पुलिस को बताए लक्ष्मणपुर घाट घोघरा नाले में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन करने के लिए लेकर गए थे। जहां नाले के बीच में गहराई अधिक होने के कारण रघुवर प्रजापति, प्रदीप कुमार, चंद्र प्रकाश, सुमित प्रजापति, अभिषेक तिवारी,रामविला

मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से रघुवर

प्रजापति, प्रदीप कुमार और चंद्रप्रकाश को बचा लिया गया था, जबकि सुमित अभिषेक और रामविलास यह तीनों गहरे पानी में डूबे हुए थे। विसर्जन के दौरान नाले में गहराई अधिक होने से यह हादसा हुआ। वहीं तरबगंज एसडीएम सविता शुक्ला ने बताया कि छह लोग डूबे थे जिसमें से 3 को कल ही बचा लिया गया था। जबकि एक लड़के का शव बरामद किया गया था। अन्य दो लड़कों की तलाश जारी थी, उन दोनों के शव भी बुधवार की सुबह ढूंढ लिए गए हैं। पूरे मामले की जांच तरबगंज पुलिस और तरबगंज तहसील प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। गोंडा में मंगलवार देर शाम दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान दो अलग–अलग थाना क्षेत्रों में चार लोगों की डूबने से मौत हो गई। तरबगंज थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर घाट पर तीन युवक नदी में डूब गए, जबकि धानेपुर थाना क्षेत्र के भैसहवा घाट पर तीन युवकों को बचाने के लिए नदी में उतरे 50 वर्षीय तुलाराम शुक्ला की भी डूबने से मौत हो गई।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि, डीआईजी और एसपी ने पुष्पचक्र अर्पित कर किया याद

संवाददाता–गोंडा। रिजर्व पुलिस लाइन में बुधवार सुबह 10रू30 बजे पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। इस दौरान देवीपाटन रेंज के डीआईजी अशोक कुमार शुक्ला, एसपी अभिषेक झा समेत पुलिस अधिकारियों और जवानों ने अमर शहीदों को पुष्पचक्र और श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया।

कार्यक्रम में 21 अक्टूबर 1959

को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में चीनी सैनिकों के हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ जवानों के बलिदान को याद किया गया। उन्हीं वीर जवानों की स्मृति में हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है।

अधिकारियों ने शहीदों के साहस और देश के प्रति उनके समर्पण को नमन किया। समारोह में 21 अक्टूबर 2025 से 21 अक्टूबर 2026 के बीच देशभर में कर्तव्य पालन के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए 154 पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई। इनमें उत्तर प्रदेश पुलिस के छह वीर सपूत भी शामिल हैं। उनके नाम पढ़कर उपस्थित पुलिसकर्मियों को उनकी शौर्य गाथा और अदम्य साहस से अवगत कराया गया।

डीआईजी अशोक कुमार शुक्ला ने कहा कि पुलिस के वीर जवान राष्ट्र की सुरक्षा, शांति और कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति देते हैं। उनका बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा और आने वाली पीढ़ियों को कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता रहेगा।

एसपी अभिषेक झा ने कहा कि शहीद पुलिसकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान पूरे पुलिस बल के लिए गर्व का विषय है। उनके त्याग और समर्पण से सीख लेकर प्रत्येक पुलिसकर्मी को जनसेवा और लोगों की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) अजीत कुमार रजक, अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) नितेश सिंह, सीओ सदर अभिषेक दवाच्या और सीओ नगर योगेन्द्र सिंह समेत बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

2500 घरों तक जल्द पहुंचेगी गैस पाइपलाइन

संवाददाता–गोण्डा। पांच माह पहले के एलपीजी के संकट को देखते हुए अब भविष्य में शहर के सभी वार्डों की हर गली–मुहल्ले तक पाइप लाइन पहुंचाकर वहां के सभी घरों को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया है। इसे देखते हुए टोरेंटो गैस कंपनी ने शहर में सुभाषनगर, गायत्रीपुरम, इमिलिया गुरुदयाल, यूसुफनगर व नूर नगर के ढाई हजार घरों तक कनेक्शन पहुंचाने की तैयारी की है। गलियों की खोदाई कर पाइप डाली जा रही है।

मंडल मुख्यालय स्थित पूरे शहर को एलपीजी मुक्त जोन घोषित किया जाना है। इसे देखते हुए शहर की चार प्रमुख कॉलोनियां एलपीजी फ्री जोन घोषित की जा चुकी हैं। यहां पीएनजी कनेक्शन दे रही टोरेंट गैस कंपनी ने आवास विकास प्रथम, द्वितीय, लक्ष्मनपुरी व अकेलवा में 500 से अधिक परिवारों को नोटिस देकर अपना कनेक्शन समर्पण का अनुरोध किया है।

इसके परिणाम स्वरूप अब तक आठ हजार लोगों ने आवेदन दिए हैं। इनमें 5500 का कनेक्शन चालू कर दिया गया है। रानीजोत, महरानीगंज, आवास विकास, राजा मोहल्ला, पटेलनगर, महाराजगंज, विष्णुपुरी, जानकीनगर समेत कई कालोनियां भूमिगत गैस पाइपलाइन नेटवर्क से जुड़ चुकी हैं। यहां कनेक्शन दिया जा रहा है।

यही नहीं अब गायत्रीपुरम के डेढ़ हजार, सुभाषनगर के 300, इमलिया गुरुदयाल के 400,नूरनगर के 200 व यूसुफनगर के 300 घरों को कनेक्शन देने के लिए पाइप लाइन बिछाई जा रही है,जो तीन माह में पूरा कर लिया जाएगा। टोरेंट गैस कंपनी के विक्रय अधिकारी दिलीप मिश्र ने बताया कि पांच मुहल्लों में पाइपलाइन डालने के लिए खोदाई चल रही है। जल्द ही यहां के लोग कनेक्शन ले सकेंगे।

कलेक्ट्रेट में सैकड़ों अधिवक्ताओं का हल्लाबोल, पुलिस से धक्कामुक्की, डीएम चैंबर के बाहर नारेबाजी

संवाददाता–बलरामपुर। ऑनलाइन दाखिल–खारिज की व्यवस्था के विरोध और अधिवक्ताओं का ज्ञापन स्वीकार न किए जाने से शुरू हुआ विवाद अब जिला प्रशासन और अधिवक्ताओं के बीच आर–पार की लड़ाई में तब्दील होता दिखाई दे रहा है।

अधिवक्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने प्रयास किया,जिस दौरान पुलिस और वकीलों के बीच धक्कामुक्की भी हुई।इसके बाद आक्रोशित अधिवक्ता डीएम के चौंबर के बाहर धरने पर बैठ गए और जमकर नारेबाजी की।डीएम विपिन जैन के खिलाफ विरोध की आवाज बुलंद करते हुए अधिवक्ताओं ने साफ कर दिया कि अब यह लड़ाई मांगों के निस्तारण,डीएम के तबादले और उनकी लिखित माफी तक थमने वाली नहीं है। बुधवार को सुबह से ही अधिवक्ताओं में उबाल देखने को मिला।संयुक्त बार एसोसिएशन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अधिवक्ता 12:30 बजे एकजुट होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे।प्रदर्शनकारियों का रुख देखते हुए पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की। लेकिन इस दौरान तनातनी बढ़ गई और दोनों पक्षों के बीच धक्कामुक्की की स्थिति बन गई। इसके बावजूद अधिवक्ता पीछे हटने को तैयार नहीं हुए और डीएम के चौंबर के बाहर पहुंचकर धरने पर बैठ गए।चैंबर के बाहर लगातार नारेबाजी के बीच अधिवक्ताओं ने प्रशासन के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई।

कलेक्ट्रेट में बढ़ते विरोध के बीच डीएम चौंबर से बाहर निकले और अधिवक्ताओं को समझाने–बुझाने का प्रयास किया।हालांकि,उनकी कोशिशों के बावजूद कोई सहमति नहीं बन सकी।अधिवक्ता अपनी मांगों पर अड़े रहे और उन्होंने आंदोलन वापस लेने से इनकार कर दिया।उनका कहना था कि जब तक ऑनलाइन दाखिल–खारिज से जुड़े मुद्दे का समाधान नहीं होता और अधिवक्ताओं के साथ हुए व्यवहार को लेकर जवाबदेही तय नहीं की जाती,तब तक आंदोलन जारी रहेगा। अधिवक्ताओं का आरोप है कि मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन देने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल से डीएम ने ज्ञापन स्वीकार करने के बजाय दूरी बना ली थी।इसी घटना ने पहले से चल रहे विरोध को और उग्र कर दिया।अधिवक्ताओं का कहना है कि ज्ञापन न लेना केवल उनकी मांगों की अनदेखी नहीं,बल्कि अधिवक्ता समुदाय के सम्मान से जुड़ा मामला है।इसी के विरोध में अब आंदोलन को लगातार तेज किया जा रहा है।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, बोले– संवेदनशीलता से करें हर पीड़ित की मदद

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए उसकी समस्या का त्वरित और संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनकल्याण और नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है। गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के पास पहुंचे और एक–एक कर उनकी शिकायतें सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने जमीन पर अवैध कब्जा करने और कमजोर लोगों को उजाड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने को कहा। पारिवारिक संपत्ति विवादों में संबंधित पक्षों से बातचीत कर समाधान निकालने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों का निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ निस्तारण करने पर जोर दिया। साथ ही सरकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को उनका लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने अधिकारियों को उपचार का एस्टीमेट जल्द तैयार कराकर शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा जरूरतमंदों से आयुष्मान कार्ड के बारे में जानकारी ली और कार्ड नहीं होने पर पात्र लोगों के कार्ड बनवाने को कहा। मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ आई महिलाओं से भी मुलाकात की। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट दी और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोवंश को दुलारा और अपने हाथों से रोटी–गुड़ खिलाया। मंदिर परिसर में परिजनों के साथ आए बच्चों से बातचीत की, उन्हें चॉकलेट दी और खूब पढ़ने का आशीर्वाद दिया। इस दौरान उन्होंने एक बच्चे का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया।

डीजे की तेज आवाज के बीच दो दिन के नवजात की मौत, पिता ने की पोस्टमार्टम की मांग

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के बढ़नी कस्बे के वार्ड नंबर नौ में दो दिन के नवजात की मौत का मामला सामने आया है। बच्चे के पिता जावेद मनिहार ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आशंका जताई है कि घर के पास तेज आवाज में डीजे बजने के कारण बच्चे की मौत हुई हो सकती है। मौत का सही कारण जानने के लिए उन्होंने पोस्टमार्टम कराने की मांग की।

तहरीर के मुताबिक, वार्ड नंबर नौ स्थित रामजानकी मंदिर के पास रहने वाले सई मोहम्मद के पुत्र जावेद मनिहार के बेटे का जन्म 19 अक्तूबर को हुआ था। 20 अक्तूबर की रात करीब 11रू30 बजे नवजात की मौत हो गई। पिता ने घर के पास तेज आवाज में डीजे बजने को मौत की आशंका से जोड़ते हुए मामले की जांच कराने की मांग की है।

मामले की जानकारी मिलने पर शोहरतगढ़ के क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी बुधवार रात करीब 2रू15 बजे पुलिस बल के साथ पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिजनों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

नेपाल में एंबुलेंस से 574 किलो गांजा बरामद

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मरीजों को अस्पताल पहुंचाने वाली एंबुलेंस का इस्तेमाल गांजे की तस्करी के लिए किए जाने का मामला सामने आया है। नेपाल के सुनसरी जिले में पुलिस ने दुहबी नगरपालिका–6 में बूढ़ी खोला के किनारे खड़ी एंबुलेंस से 574 किलो 870 ग्राम गांजा बरामद किया। पुलिस ने गांजे के साथ एंबुलेंस को भी जब्त कर लिया है। चालक की तलाश की जा रही है।

जिला पुलिस कार्यालय सुनसरी के अनुसार, सोमवार सुबह सूचना मिली कि कोशी राजमार्ग पर इटहरी से विराटनगर की ओर एंबुलेंस के जरिये गांजे की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही इलाका पुलिस कार्यालय दुहबी और सीआरवी दुहबी की संयुक्त टीम सक्रिय हो गई। पुलिस टीम ने दुहबी नगरपालिका–6 स्थित बूढ़ी खोला के किनारे खड़ी संदिग्ध एंबुलेंस की जांच की। तलाशी के दौरान उसमें छिपाकर रखा गया 574 किलो 870 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इतनी बड़ी मात्रा में गांजा मिलने के बाद पुलिस ने एंबुलेंस को कब्जे में ले लिया।

पुलिस स्मृति दिवसः कर्तव्य पालन में प्राण न्योछावर करने वाले शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता–गोरखपुर। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर बुधवार को गोरखपुर में शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई। पुलिस लाइंस के परेड ग्राउंड स्थित स्मृति स्मारक पर अपर पुलिस महानिदेशक, गोरखपुर जोन, पुलिस उपमहानिरीक्षक, गोरखपुर परिक्षेत्र और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, गोरखपुर ने पुष्पांजलि अर्पित कर वीर जवानों के बलिदान को नमन किया। इस दौरान देश और समाज की सुरक्षा के लिए कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों को याद किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति सम्मान व्यक्त किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक रेलवे, पुलिस अधीक्षक नगर, पुलिस अधीक्षक उत्तरी समेत अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने स्मृति स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित कर शहीद पुलिसकर्मियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

पुलिस स्मृति दिवस उन पुलिसकर्मियों के त्याग और बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने कानून–व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। यह दिवस पुलिस बल के सदस्यों को सेवा, साहस और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है।

स्काउट–गाइड प्रशिक्षण में बच्चों ने सीखे अनुशासन के गुर

–पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय उभाई में तीन दिवसीय आयोजन का समापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बच्चों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन, सेवा भावना और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरैया ब्लॉक के पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय उभाई में भारत स्काउट एवं गाइड का तीन दिवसीय शिविर बुधवार को संपन्न हुआ। द्वितीय सोपान के बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभाग कर उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संतोष शुक्ल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भीम सेन उपाध्याय उपस्थित रहे।

अतिथियों ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए स्काउट एवं गाइड गतिविधियों को जीवनोपयोगी बताया। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जिम्मेदारी और कठिन परिस्थितियों का सामना करने का आत्मविश्वास विकसित होता है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मधु, खुशी, अनन्या, क्षमा, नंदनी, आयुषी, शिवानी, विवेक, शिवकुमार, रामबाबू, आदर्श, प्रिंस, अनूप और अखिलेश सहित अन्य विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को यादगार बनाया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक विद्यासागर वर्मा, स्काउट मास्टर राजीव शरण, प्रमोद तिवारी, प्रदीप शुक्ला, देवेंद्र शुक्ला, राम शरण गुप्ता और विमलेन्द्र कुमार वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन ने विद्यार्थियों को सीखने, सृजन करने और सामूहिक रूप से कार्य करने का अवसर प्रदान किया।

मां दुर्गा प्रतिमा का श्रद्धापूर्वक विसर्जन देश–विदेश में रह रहे प्रवासियों ने लिया हिस्सा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद में दुर्गा पूजा का पर्व आस्था और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस महोत्सव में श्रद्धालुओं के साथ ही देश–विदेश में रह रहे प्रवासी भी पूजन अर्चन करने सपरिवार पहुंचे हैं। कप्तानगंज विकास खण्ड क्षेत्र के मानपुर उर्फ मितवापुर गांव में 12 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद इस वर्ष शारदीय नवरात्र के अवसर पर दुर्गा पूजा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। मां दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना और पूजा–अर्चना के बाद श्रद्धा, उल्लास और उत्साह के बीच मनोरमा नदी के तट पर प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान पूरा गांव भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा। ढोल–नगाड़ों, जयकारों और आतिशबाजी के बीच निकली विसर्जन यात्रा आकर्षण का केंद्र रही।

गांव में नवगठित मानपुर (मितवापुर) धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठन के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में ग्रामीणों ने बढ़–चढ़कर भागीदारी की। संगठन का उद्देश्य धार्मिक जागरूकता के माध्यम से सामाजिक समृद्धि और ग्रामीण एकता को मजबूत करना है। संगठन की देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीणों, युवाओं और श्रद्धालुओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्रामीणों के अनुसार, अज्ञात कारणों से गांव में पिछले करीब 12 वर्षों से मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करने की परंपरा बंद थी। इस वर्ष ग्रामीणों ने एकजुट होकर इस धार्मिक परंपरा को दोबारा शुरू करने का संकल्प लिया। संगठन के ध्येय वाक्य 'धार्मिक जागृति से सामाजिक समृद्धि की ओर' को आत्मसात करते हुए ग्रामीणों ने पूरे उत्साह के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन किया। इस पहल से गांव में उत्सव का माहौल बना और लोगों में सामाजिक एकजुटता की भावना मजबूत हुई।

विधायक कविन्द्र उर्फ अतुल चौधरी ने किया पूजन–अर्चन

इस महोत्सव की खास बात यह रही कि मुंबई, दिल्ली सहित देश के अन्य बड़े शहरों और विदेशों में रह रहे गांव के मूल निवासियों ने भी इसमें सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रवासियों के सहयोग और ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास से आयोजन को भव्य स्वरूप मिला। लंबे समय बाद गांव में धार्मिक आयोजन होने से स्थानीय लोगों के साथ–साथ बाहर रहने वाले ग्रामीणों में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

महोत्सव के दौरान कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री कविन्द्र चौधरी उर्फ अतुल चौधरी भी पूजा पंडाल पहुंचे। उन्होंने मां दुर्गा के दर्शन कर आरती उतारी तथा ग्रामीणों और प्रवासियों के सामूहिक प्रयास की सराहना की। विधायक के आगमन से आयोजन में शामिल लोगों का उत्साह बढ़ा।

महोत्सव का समापन मां दुर्गा की प्रतिमा की भव्य विसर्जन यात्रा के साथ हुआ। विसर्जन के दिन गांव के युवा, बुजुर्ग और प्रवासी पारंपरिक परिधानों में एकजुट होकर यात्रा में शामिल हुए। मां दुर्गा के जयकारों, ढोल–नगाड़ों और आतिशबाजी से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाकर सुख–समृद्धि की कामना की। ट्रैक्टर–ट्रॉली पर विराजमान मां दुर्गा की मनमोहक प्रतिमा के साथ श्रद्धालु विसर्जन स्थल तक पहुंचे। इस दौरान भक्तों में गजब का उत्साह और श्रद्धा देखने को मिली। संगठन के पदाधिकारियों, ग्रामीणों और प्रवासियों के सामूहिक सहयोग से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ।

238 शीशी कोडीनयुक्त कफ सिरप और 500 नशीली टैबलेट बरामद, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बांसी कोतवाली पुलिस ने तेलौरा बाजार में कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 238 शीशी कोडीनयुक्त कफ सिरप और 500 प्रतिबंधित नशीली टैबलेट बरामद की हैं। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया।

कोतवाली प्रभारी महेंद्र प्रताप चतुर्वेदी के मुताबिक, मंगलवार को उपनिरीक्षक राम प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ दुर्गा प्रतिमा विसर्जन ड्यूटी के लिए तेलौरा बाजार में मौजूद थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि तेलौरा के पास एक मकान में एक युवक नशीली दवाओं के साथ मौजूद है और रोहुआ रोड स्थित ट्रैवल एजेंसी से कहीं जाने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ट्रैवल एजेंसी के पास पहुंची। वहां बने मकान के पास एक युवक बैग और बोरा लेकर खड़ा दिखाई दिया। उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगने पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसकी पहचान पिपरा नानकार निवासी सूर्यप्रकाश यादव के रूप में हुई।

प्रतिमा विसर्जन से लौट रहे आयोजक की ट्रैक्टर–ट्रॉली से गिरकर मौत

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के बाद घर लौट रहे दुर्गा पूजा आयोजन की ट्रैक्टर–ट्रॉली से गिरकर 50 वर्षीय अधेड़ की पहिए के नीचे आने से मौत हो गई। हादसा बुधवार शाम करीब तीन बजे हैदरगंज थाना क्षेत्र के कोरो राघवपुर गांव के पास हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। अस्पताल में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के सहावा गांव निवासी रामधनी निषाद और उनके परिवार के लोग पिछले कई वर्षों से शारदीय नवरात्र में दुर्गा पूजा पंडाल स्थापित करते आ रहे थे। दुर्गा पूजा महोत्सव संपन्न होने के बाद बुधवार को आयोजक और ग्रामीण ट्रैक्टर–ट्रॉली से प्रतिमा विसर्जन के लिए हैदरगंज थाना क्षेत्र में पलटू वीर बाबा के पास विसुही नदी के पुल पर गए थे। विसर्जन के बाद सभी लोग घर लौट रहे थे। कोरो राघवपुर गांव के पास ट्रॉली पर आगे बैठे रामधनी अचानक नीचे गिर पड़े और पहिए के नीचे आ गए। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे हैदरगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार पुलिस टीम के साथ रामधनी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर ले गए।

वहां चिकित्सक अतुल मिश्रा ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाल देवेंद्र पांडेय ने बताया कि हादसा हैदरगंज थाना क्षेत्र में हुआ है। बीकापुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

प्रतिमा विसर्जन के दौरान करंट लगने से तीन की मौत, पांच की हालत गंभीर

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के गुलरिहा थाना क्षेत्र के जंगल अयोध्या प्रसाद में प्रतिमा विसर्जन के दौरान करंट की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। हादसे में पांच लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को इलाज के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, लोग ट्रैक्टर–ट्रॉली पर प्रतिमा लेकर विसर्जन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान प्रतिमा 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गई। इससे प्रतिमा में आग लग गई और करंट ट्रॉली में उतर गया। इसकी चपेट में करीब 10 लोग आ गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। पांच घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में उनका उपचार चल रहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की खेत में मिली लाश, हत्या की आशंका

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। स्थानीय थाना क्षेत्र के लखनडीह गांव निवासी एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सीमावर्ती गांव के एक खेत में मिलने से सनसनी फैल गई। युवक घर से मेला देखने जाने की बात कह कर गया था। घटना से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। हत्या की आशंका प्रकट की जा रही है। बताया जाता है कि जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के सेमरा मानापुर गांव के बाहरी हिस्से में स्थित कश्मीरी माता के स्थान के पास एक खेत में बुधवार की सुबह ग्रामीणों ने एक युवक का शव खेत में पड़ा हुआ देखा। खेत में शव मिलने की सूचना पर इलाके में सनसनी फैल गई।इसके बाद सूचना मिलने पर डायल 112 टीम मौके पर पहुंची और शव के शिनाख्त की कोशिश किया तो मृतक युवक की पहचान बगल के गांव लखनडीह गांव निवासी जय सिंह गौतम 24 पुत्र स्वर्गीय श्याम कुंवर के रूप में हुई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने भी शव की शिनाख्त किया। सूचना पर पहुंचे उपनिरीक्षक राम बली सिंह मोलेराम ने मामले की जानकारी लेते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष रितेश पांडे ने बताया कि मामले कार्यवाही जारी है। मौत का स्पष्ट कारण पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

चरणामृत पीने वालों को लगा एंटी रैबीज इंजेक्शन

संवाददाता–गोरखपुर। गोला ब्लॉक के डांड़ी खास गांव में पागल कुत्ते के काटने से बीमार गाय मंगलवार को भूक भूक कर मर गई। दुर्गा पूजा के दौरान इसी गाय के दूध से चरणामृत बनाकर वितरित किया गया था। गाय की मौत के बाद डांड़ी गांव में शिविर लगा कर दुर्गा पूजा में चरणामृत पीने वाले डांड़ी एवं गोविंदपुर के ग्रामिणों में एहतियातन एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाया जा रहा है।

बुधवार को स्वास्थ्य विभाग के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से गांव पहुंची टीम ने चरणामृत पीने वाले श्रद्धालुओं को इंजेक्शन लगाना शुरू किया। शिविर में फार्मासिस्ट सिद्धार्थ सिंह के साथ आए अरशद, सोनू श्रीवास्तव, प्रियंका, अंकिता की टीम ने करीब 400 श्रद्धालुओं को एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाए।

इसके पूर्व मंगलवार को करीब 50 लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच इंजेक्शन लिया था। ककरहीं गोला हिन्दुस्तान संवाद के मुताबिक गांव के प्रधान प्रतिनिधि राजू यादव, पूर्व प्रधान सुरेश यादव, मंजीत मौर्य हड़हाभार और पवन सिंह ने भी इंजेक्शन लगवाया।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान बन्दोबस्ती चकबन्दी अधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती

अपील सं0–

सतीशचन्द्र
बनाम
ग्रीशचन्द्र

1. ग्रीशचन्द्र पुत्र रामदेव साकिन औराडीहा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 10–11–2026

अपील बनराजी अदालत चकबन्दी अधिकारी द्वितीय मुकाम बस्ती मयरिखा 27 महीना 07 सन् 2026 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 10 महीना 11 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 21 माह 10 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम प्रतिमा सिंह पत्नी राम मिलन सिंह ग्राम– पिपरा गौतम पोस्ट– पिपरा गौतम थाना– नगर तहसील व जनपद बस्ती की निवासिनी हूं। मैंने अपना नाम प्रतिमा से बदलकर प्रतिमा सिंह कर लिया है। अब मुझे प्रतिमा सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाय।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा राम मिलन सिंह पुत्र स्वर्गीय बलगर सिंह ग्राम– पिपरा गौतम पोस्ट– पिपरा गौतम थाना– नगर तहसील व जनपद बस्ती का निवासी है। मैंने अपना नाम राम मिलन से बदलकर राम मिलन सिंह कर लिया है। अब मुझे राम मिलन सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाय।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–242/2023

लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता
बनाम
प्रेमलता देवी

1– प्रेमलता देवी उम्र लगभग 55 वर्ष पत्नी स्व0 भरतलाल जयसवाल निवासी करूआ बाबा का स्थान पोस्ट पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 30–11–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com